Journal of Research and Development

Peer Reviewed International, Open Access Journal.

ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

Original Article

उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 का अध्ययन

डॉ. सत्येन्द्र कुमार गुप्ता

सहायक आचार्य, बी. एड. विभाग राम गुलाम राय शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय,

नियर सहारा स्टेट्स, देवरिया बाईपास रोड, गोरखपुर (उ. प्र.)

Email-satyendagupta82@gmail.com

Manuscript ID:

JRD -2025-170907

ISSN: 2230-9578

Volume 17

Issue 9(A)

Pp.33-37

September 2025

Submitted:22 Aug. 2025

Revised: 3 Sept. 2025

Accepted: 21 Sept. 2025

Published: 30 Sept. 2025

शोध-सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) एक ऐसी शिक्षा नीति है जिसमें भारतीय शिक्षा प्रणाली को एक व्यापक एवं सकारात्मक अवधारणा के रूप में स्वीकार किया गया है। यह भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों, सभ्यता, परंपराओं आदि का समर्थन करती है तथा उनमें आवश्यक परिवर्तन करना चाहती है और उन्हें नए रूप में अपनाना चाहती है जो बदलती परिस्थितियों और वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार लोगों और समाज के विकास में सहायक हो सके। यह शिक्षा नीति भारत के सभी लोगों को शिक्षा के समान अवसर प्रदान करती है जो भारतीय संविधान के अनुसार हमारा मौलिक अधिकार भी है। यह शिक्षा नीति उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक वरदान साबित हुई है। उच्च शिक्षा के लिए इसके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। प्रस्तुत अध्ययन में NEP- 2020 के योगदानों को उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में *जानने का प्रयास किया गया है।*

मुख्य-*शब्द-* *राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020, उच्च शिक्षा, छात्र , शिक्षा।*

प्रस्तावना

वर्तमान युग तकनीक का युग है और तकनीक बदलाव की मांग करती है। यह बदलाव किसी भी समाज और देश के विकास में बहुत आवश्यक है। हमारी शिक्षा प्रणाली भी लंबे समय से इस बदलाव की कमी महसूस कर रही थी क्योंकि बदलती हुई परिस्थितियों के अनुसार शिक्षा प्रणाली को विकसित करने के लिए नई सिफारिशें और शिक्षा नीतियां बहुत आवश्यक हैं। चूंकि, जब हमारी नई शिक्षा नीति- 1986 व्यावहारिक रूप में आई तो उस समय परिस्थितियां वर्तमान की तुलना में बहुत भिन्न थीं। लेकिन इस समय हमारी शिक्षा में बहुत सारे बदलाव हुए हैं। इसलिए, एक नई प्रकार की शिक्षा नीति की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। हमारी भारत सरकार ने भी इस कमी को महसूस किया और इसलिए, शिक्षा के लिए एक नई नीति बनाने का प्रयास किया जो पूरे देश के लिए उपयोगी हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिसे जुलाई 2020 में भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था। यह नीति भारतीय शिक्षा का एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है जो आधुनिक मूल्यों और मान्यताओं को शामिल करते हुए अपने स्वभाव में राष्ट्रीय और पारंपरिक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु एक व्यापक प्रारूप या रूपरेखा प्रस्तुत करती है। यह व्यावसायिक प्रशिक्षण ग्रामीण एवं शहरी भारत, दोनों के लिए उपयुक्त होगा।

Quick Response Code:

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)

This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Address for correspondence:

डॉ. सत्येन्द्र कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, बी. एड. विभाग राम गुलाम राय शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय, नियर सहारा स्टेट्स, देवरिया बाईपास रोड, गोरखपुर (उ. प्र.)

How to cite this article:

गुप्ता, . सत्येन्द्र . कुमार . (2025). उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 का अध्ययन. Journal of Research and Development, 17(9(A)), 33–37. https://doi.org/10.5281/zenodo.17492328

Website: https://jrdrvb.org/

DOI: 10.5281/zenodo.17492328

OPEN ACCESS

इस शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य जाति, लिंग, धर्म, क्षेत्र आदि के भेदभाव के बिना भारत के सभी नागरिकों को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे स्वाभाविक रूप से अपनी क्षमताओं और योग्यताओं का विकास कर सकें और जीवन में प्रगति कर सकें। यह हमें जीवन में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती है ताकि समाज के अमर ज्ञान को संरक्षित किया जा सके। यह भारत को वैश्विक ज्ञान की शक्ति बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इस नीति में यह कल्पना की गई है कि हमारी शिक्षा और संस्थानों का समान पाठ्यक्रम छात्रों में मौलिक कर्तव्यों के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करे। इसमें कहा गया है कि छात्र अपने कर्तव्यों और दायित्वों का उत्तरोत्तर निर्वहन करें। उन्हें संवैधानिक मूल्यों और संस्थाओं की रक्षा एवं सम्मान करना चाहिए तथा सभी लोगों को अपना भाई समझना चाहिए।

यह कहा जा सकता है कि यह शिक्षा नीति स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का समर्थन करती है जो वर्तमान समय की आवश्यकता भी है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति में हमारी उच्च शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, क्योंकि उच्च शिक्षा ही वह शिक्षा है जहाँ विश्वविद्यालय और महाविद्यालय सुचारू रूप से चलते हैं और केवल विश्वविद्यालय और महाविद्यालय ही अपने छात्रों में उच्च तार्किक क्षमता का विकास कर सकते हैं। अतः राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के परिप्रेक्ष्य में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय स्तर की शिक्षा का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 उच्च नैतिक गुणों एवं सद्‌गुणों से परिपूर्ण है तथा विद्यार्थियों को अधिकाधिक नैतिक एवं वैज्ञानिक व्यक्ति बनाती है। यह आधुनिकता एवं पारंपरिकता का अनूठा मिश्रण है। यह आधुनिक मूल्यों एवं नवाचारों को अपनाने की वकालत करती है, किन्तु अपने पारंपरिक मूल्यों एवं मान्यताओं को न भूलने का आग्रह भी करती है। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों का निर्माण करना होना चाहिए जो अद्वितीय, विचारशील, रचनात्मक, नैतिक और जिम्मेदार होने के साथ-साथ ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ भी हों। यह शिक्षा नीति वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के मूल ढाँचे की अनदेखी किए बिना इक्कीसवीं सदी की शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन लाने वाली है। यह शिक्षा को तकनीकी और व्यवसाय आधारित बनाना चाहती है तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए प्रयोगों और नवाचारों को शामिल करना चाहती है। यह कहती है कि शोध समाज-उन्मुख होने चाहिए। यह शैक्षिक शोध के क्षेत्र में शैक्षिक प्रौद्योगिकी की भूमिका को अधिक से अधिक बढ़ाना चाहती है ताकि शोध व्यवहारिक रूप से समाज के लिए उपयोगी हो सकें।

नई शिक्षा नीति की सबसे महत्वपूर्ण बातों में से एक है- हर संभव स्थान और जिले में विश्वविद्यालय और महाविद्यालय स्थापित करना ताकि उच्च शिक्षा प्रत्येक छात्र के लिए सुलभ हो सके। यह छात्रों के लिए कार्य-उन्मुख पाठ्यक्रम प्रस्तुत करती है। यह सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक मार्गदर्शन भी प्रदान करती है। यह शिक्षा प्रणाली में डिजिटलीकरण और वैश्वीकरण लाना चाहती है। यह उच्च शिक्षा को केवल विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों जैसे औपचारिक संस्थानों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे डिजिटल शिक्षा भी बनाना चाहती है। यह शिक्षा नीति ऑनलाइन शिक्षण और अधिगम की वकालत करती है। यह चाहती है कि शिक्षा दूरस्थ माध्यम से दी जाए, जिसे दूरस्थ शिक्षा भी कहा जाता है। यह जीवन भर सीखने की नीति को स्वीकार करती है। यह मूल्यांकन और मापन की प्रक्रिया में सुधार करती है और शिक्षा में सतत और व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया लाना चाहती है।

अध्ययन के उद्देश्य एवं विधि

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का अध्ययन करना है ताकि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इसके योगदानों को जाना जा सके। साथ ही अध्ययन के द्वारा यह भी जानने का प्रयास किया गया है कि उच्च शिक्षा में अभी और क्या-क्या सुधार एवं नवाचार करने की आवश्यकता है।

उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही स्रोतों से आंकड़ों का संकलन किया गया और उनके विश्लेषण तथा संश्लेषण के आधार पर निष्कर्षों को प्राप्त किया गया।

अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

यह अध्ययन राष्ट्र एवं समाज के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा क्योंकि इसके तथ्य वास्तविक आँकड़ों पर आधारित हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण कारण जो इस अध्ययन को और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है, वह यह है कि शोधकर्ता को इस प्रकार के अध्ययन की कमी महसूस हुई, इसलिए यह अध्ययन आने वाले समय में किए जाने वाले शोधों और अध्ययनों के लिए एक आदर्श की भूमिका निभा सकता है। यह अध्ययन उच्च शिक्षा से जुडी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम होगा। हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली में अनेक कमियाँ और

Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

त्रुटियाँ विद्यमान हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली के गुणात्मक पहलुओं की लंबे समय से उपेक्षा की जा रही थी। यही कारण है कि शिक्षित बेरोजगारी और उसके कारण छात्रों में असंतोष की समस्याएँ लगातार बढ़ रही थीं। लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 ने उच्च शिक्षा की इन समस्याओं को गहराई से समझा और इनका शीघ्र समाधान करने का प्रयास भी किया है। नई शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा के लिए नए नियम और कानून बनाए हैं और इन नियमों और अधिनियमों को व्यवहार में लाने का प्रयास भी किया जा रहा है। नई शिक्षा नीति- 2020 इस क्षेत्र में कुछ हद तक उपलब्धियाँ प्राप्त करने में सफल रही है। यही कारण है कि उच्च शिक्षा के गुणात्मक और मात्रात्मक, दोनों पहलुओं में सुधार किया जा रहा है। उच्च शिक्षा में नए शोध और प्रयोग हो रहे हैं। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय नए पाठ्यक्रम और विधियाँ एवं तकनीकें अपना रहे हैं जो अधिक विश्वसनीय, वस्तुनिष्ठ और छात्र-केंद्रित हैं। हर संभव स्थान पर उच्च शिक्षा संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि प्रत्येक छात्र बिना किसी कठिनाई के उच्च शिक्षा प्राप्त कर सके।

यह अध्ययन नई शिक्षा नीति, 2020 के नियमों और शर्तों के अनुसार उच्च शिक्षा में सुधारों को समझने में मदद करेगा। यह शोध कार्य पाठकों के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (NEP- 2020) के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेगा। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के परिप्रेक्ष्य में उच्च शिक्षा में सुधार और विकास के लिए बहुविध कार्य करेगा। एक ओर, यह संदर्भ सामग्री तैयार करेगा और दूसरी ओर, आवश्यक सुझाव और सिफारिशें देने के साथ-साथ आगे के शोध कार्य के लिए गुंजाइश प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (NEP- 2020) एवं उच्च शिक्षा : कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में कहा गया है कि वर्तमान समय की उच्च शिक्षा केवल नौकरी पाने या उच्च उपाधि प्रदान करने का एक माध्यम या साधन मात्र है। यह शिक्षा के गुणात्मक पहलुओं की उपेक्षा करती है। इसीलिए शिक्षा निरर्थक हो गई है। वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में मानवता और नैतिकता का कोई स्थान नहीं है। NEP- 2020 ने इस कमी को समझा और इस स्थिति में सुधार लाने का सुझाव दिया। यह चाहती है कि छात्रों को उनकी आवश्यकताओं, रुचियों और क्षमताओं के अनुसार उच्च शिक्षा दी जाए। उच्च शिक्षा संस्थानों को बहुविषयक संस्थानों के रूप में परिवर्तित करके यह कार्य आसानी से पूरा किया जा सकता है। ये संस्थान छात्रों को विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानवता, भाषा आदि में से कोई भी विषय चुनने का विकल्प देते हैं। यदि कोई छात्र स्नातक स्तर पर एक वर्ष, दो वर्ष या तीन वर्ष अध्ययन करता है, तो उसे क्रमशः प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और उपाधि प्रदान की जाएगी। छात्रों को रचनात्मक और विचारशील होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आने वाले समय में उच्च शिक्षा में उच्च गुणवत्ता वाले शोधों को बढ़ावा दिया जाएगा। उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना से शिक्षण और शोध-कार्यों में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त, इससे अन्य उच्च शिक्षा संस्थानों को विकसित करने और स्थापित करने, सामुदायिक भागीदारी के साथ-साथ सेवा को विकसित करने और उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए व्याख्याताओं और शिक्षकों की क्षमता विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

भारत में समग्र एवं बहुविषयक तकनीकों के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन की एक महान परम्परा रही है। समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करती है। यह विद्यार्थियों की योग्यताओं और क्षमताओं को उस दिशा में मोड़ती है जहाँ उनके व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का स्वाभाविक विकास होता है। उनकी बौद्धिक, सामाजिक, नैतिक, आध्यात्मिक, शारीरिक आदि सभी क्षमताओं का विकास होता है। इस प्रकार की शिक्षा भाषा, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, कला, मानविकी आदि विषयों के एकीकृत अध्ययन को बढ़ावा देती है। जब उच्च शिक्षा का पाठ्यक्रम अधिक समग्र एवं बहुविषयक होगा, तो विद्यार्थियों का ज्ञान और कौशल व्यापक होगा और वे अपने व्यावहारिक जीवन में उच्च शिक्षा के अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। आज हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली इसी लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रही है। कई विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों ने समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा की अवधारणा को अपनाया है। कई विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों ने स्नातक स्तर पर सीबीसीएस पाठ्यक्रम लागू करना शुरू कर दिया है। इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की एक बड़ी उपलब्धि कहा जा सकता है।

वर्तमान समय में शिक्षा में तकनीकी की उपयोगिता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता और उच्च शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में यह बात और भी अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि नई शिक्षा नीति, 2020 में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की सिफ़ारिश की गई है और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए तकनीकी एक पूर्व-आवश्यकता है। यही कारण है कि शिक्षा को अद्यतन बनाया जा रहा है। हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उपागमों के माध्यम से शिक्षा दी जा रही है। शिक्षण और अधिगम के लिए नई तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। आजकल शिक्षा केवल कक्षाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह औपचारिक संस्थानों के बाहर भी सीखने का अवसर प्रदान

Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-9(A)| September 2025

करती है। इंटरनेट, वेबसाइट, ब्राउज़र, मिश्रित शिक्षण आदि शिक्षा में अपना स्थान बना रहे हैं। रेडियो, टेलीविजन, लैपटॉप आदि ने शिक्षा को और अधिक गतिशील तथा जीवन्त बना दिया है। मोबाइल फोन और आई-फोन के उपयोग ने शिक्षण और अधिगम के क्षेत्र में एक शैक्षिक क्रांति पैदा कर दी है।

इसमें शिक्षा को केवल पारंपरिक पद्धति से ही नहीं, बल्कि आधुनिक माध्यमों और पद्धतियों से भी प्रदान करने की बात कही गई है। यह नई शिक्षा नीति- 2020 का ही प्रभाव है कि भारत में पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा का चलन तेज़ी से बढ़ रहा है। आज शिक्षा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सुलभ हो गई है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र बहुत कम समय और खर्च में बहुत कुछ सीख सकते हैं। कागज़ रहित और डिजिटल शिक्षा की अवधारणा ने उच्च शिक्षा की पूरी व्यवस्था को ही बदल दिया है।

निष्कर्ष एवं सुझाव

उपर्युक्त अध्ययन के आधार पर यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में उच्च शिक्षा में सुधार हेतु अनेक सुझाव दिए गए हैं। समग्र और बहुविषयक शिक्षा की अवधारणा उच्च शिक्षा की प्रगति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। कई विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम का पाठ्यक्रम लागू किया जा चुका है और कुछ इसे अपने संस्थानों में लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की अवधारणा, संस्थानों के लिए मान्यता प्रणाली, आदि NEP-2020 की कुछ ऐसी विशेषताएँ हैं जो इसे शैक्षिक जगत में अद्वितीय बनाती हैं। उच्च शिक्षा संस्थान की स्थापना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम कहा जा सकता है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि NEP- 2020 द्वारा दी गई सिफ़ारिशें वर्तमान उच्च शिक्षा व्यवस्था के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और आने वाले समय में भी महत्वपूर्ण और उपयोगी साबित होंगी। बस ज़रूरत है इसकी सिफ़ारिशों को सही और ईमानदारी से लागू करने की। हमारी सरकारें NEP- 2020 के क्रियान्वयन की दिशा में कदम उठा रही हैं। हमारे शिक्षण संस्थानों ने भी NEP-2020 के प्रति अधिक प्रतिबद्धता दिखाई है। हमारे विद्यार्थी भी अपनी शिक्षा और अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक हुए हैं। यह हमारी ज़िम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है कि हम भी सरकार और शिक्षण संस्थानों की मदद करें ताकि वे इसे लागू करने के लिए निर्णायक कदम उठा सकें। NEP-2020 के सफल क्रियान्वयन के लिए यह अत्यंत आवश्यक है।

चूँकि, यह अध्ययन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के संदर्भ में उच्च शिक्षा की एक व्यापक अवधारणा प्रस्तुत करता है। अतः शैक्षिक जगत के लिए NEP- 2020 का अन्य क्षेत्रों में भी अध्ययन करना उपयोगी होगा। शिक्षक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, महिला शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आदि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें NEP- 2020 का अध्ययन आने वाले समय में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची

1. वर्मा, आर. एवं पी. वर्मा (2023). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि. The Research Dialogue. Vol-2, Issue-1, April 2023. Retrieved from: www.theresearchdialogue.com.
2. विश्नोई, के. (2023). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षाविदों का योगदान. The Research Dialogue. Vol-2, Issue-1, April 2023. Retrieved from: www.theresearchdialogue.com.
3. पाण्डेय, एन. के. एवं एस. एस. शुक्ला (2022). राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020: संभावनाएं एवं चुनौतियाँ. The Research Dialogue. Vol-1, Issue-3, October 2022. Retrieved from: www.theresearchdialogue.com.
4. पाठक, एम. के. (2025). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : समतामूलक और समावेशी शिक्षा. प्रिंटिंग एरिया. Vol-04, Issue-126, June 2025. पृ.071-076. Peer Reviewed International Journal. ISSN: 2394-5303.
5. एस. (2023). राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 की आवश्यकता एवं महत्वपूर्ण पहलें. The Research Dialogue. Vol-1, Issue-4, January 2023. Retrieved from www.theresearchdialogue.com.
6. सिंह, वी. एवं के. देवी (2022). उच्च शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की एक महत्त्वपूर्ण अंतर्दृष्टि. International Journal of Research and Analytical Reviews. Vol- 9, Issue- 1, January 2022. Retrieved from: www.ijrar.org.
7. सिंह, ए. एवं जी. राव (2022). राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में बहु विषयक शिक्षा, 2020. The Research Dialogue. Vol-1, Issue-3, October 2022. Retrieved from: www.theresearchdialogue.com.
8. रावल, एस. (2025). नई शिक्षा नीति (2020) नई शिक्षा नीति से जुड़े अन्य मुद्दे, उद्देश्य और प्रभाव पर एक सूक्ष्म अध्ययन. प्रिंटिंग एरिया. Vol-04, Issue-126, June 2025. पृ.0163-0171. Peer Reviewed International Journal. ISSN: 2394-5303.

9. https://en.wikipedia.org/wiki/National_Education_Policy_2020
10. https://leadschool.in/hi/school-owner/national-education-policy-nep-2020/
11. https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://translate.google.com/translate%3Fu%3Dhttps://byjus.com/free-ias-prep/national-policy-education/%26hl%3Dhi%26sl%3Den%26tl%3Dhi%26client%3Dsrp%26prev%3Dsearch&ved=2ahUKEwjxw57dz9yBAxWawjgGHdTyB6kQFnoECCkQAQ&usg=AOvVaw0UUAKjjzJWEvcgjQyiARQZ
12. https://www.adda247.com/teaching-jobs-exam/national-education-policy-2020-for-higher-education/
13. https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-analysis/national-education-policy-2020-in-higher-education&ved=2ahUKEwjwifq00dyBAxW4wjgGHZc0BYwQu7wFegQIGhAE&usg=AOvVaw1GlM8nCIXj02ZXWiFBxpLV
14. https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://www.drishtiias.com/hindi/daily-news-editorials/national-education-policy-and-higher-education&ved=2ahUKEwjwifq00dyBAxW4wjgGHZc0BYwQu7wFegQIGhAJ&usg=AOvVaw2-HDLaJshtm_mAIrmUw09s